IDBI BANK

प्रेस विज्ञप्ति
PRESS RELEASE

तत्काल प्रकाशन/ब्रॉडकास्ट/ प्रसारण के लिए

पीआर/1362

एलआईसी द्वारा आईडीबीआई बैंक में 51% नियंत्रक अधिग्रहण पूर्ण

मुंबई, 21 जनवरी 2019 : एलआईसी ने आज अर्थात् 21 जनवरी 2019 को आईडीबीआई बैंक में 51% प्रतिशत नियंत्रक अधिग्रहण प्रक्रिया पूरी कर ली जिसके फलस्वरूप अब यह बैंक में बहुसंख्यक शेयरधारक बन गया है. जून 2018 में संकल्पित इस सौदे से आईडीबीआई बैंक और एलआईसी दोनों ही लाभप्रद स्थिति में होंगे और आपसी गठजोड़ के जरिए दोनों ही संस्थाओं के शेयरधारकों, ग्राहकों एवं कर्मचारियों के लिए विशाल मूल्य सृजित करने का अवसर प्राप्त होगा. इस सौदे में दोनों ही साझेदारों के लिए महत्वपूर्ण बदलाव के अवसर निहित हैं जिससे भारत में पहली बार एक अनूठे वित्तीय समूह का सृजन होगा. एलआईसी और आईडीबीआई बैंक देश के सर्वाधिक विश्वसनीय ब्रांडों में से एक हैं. दोनों की सुदृढ़ता उनके सभी ग्राहकों को एक ही छत के नीचे बैंकिंग और बीमा सेवाओं की सुविधा उपलब्ध कराएगी.

आईडीबीआई बैंक के पास लगभग 1.5 करोड़ रिटेल ग्राहक तथा लगभग 18,000 कर्मचारी हैं. इस सौदे से एलआईसी को बृहद बैंकाशुरेंस चैनल में रणनीतिपरक निवेश हासिल होगा जिसके फलस्वरूप उसकी उत्पादकता में वृद्धि होगी और वितरण लागतों में कमी आएगी. आईडीबीआई बैंक की 1800 से अधिक शाखाओं का उपयोग एलआईसी पॉलिसियों की बिक्री के लिए संपर्क केंद्र के रूप में किया जा सकेगा. बैंक की 900 से अधिक शाखाओं को एनईएफ़टी के जरिए निपटान भुगतानों हेतु सक्षम बनाने का भी प्रस्ताव है. बैंक अपनी नकदी प्रबंध सुविधा एलआईसी को भी उपलब्ध कराएगा जिससे उसके चालू खाता शेषों में तीव्र वृद्धि होगी और उसकी निधियों की लागत में कमी आएगी. आईडीबीआई बैंक को एलआईसी के 1 लाख से अधिक कर्मचारियों तथा 11 लाख एजेंटों के व्यापक नेटवर्क तक पहुँच सुलभ हो जाएगी. इसके अलावा, एलआईसी के कर्मचारी और एजेंट भी मूल्य-वर्धित बैंकिंग सेवाएं आसानी से प्राप्त कर सकेंगे. एलआईसी के ब्रांड में ग्राहकों के अटूट विश्वास से बैंकिंग उद्योग में आईडीबीआई बैंक की स्थिति भी सुदृढ़ होगी.

बैंक दोनों ही संस्थाओं के ग्राहकों के व्यवहार का विश्लेषण करने के लिए डेटा विश्लेषण क्षमताओं को बढ़ाने की दिशा में अपने निवेशों में उल्लेखनीय वृद्धि करेगा. इससे बैंक को अपने उत्पाद प्रस्तावों को

आकर्षक बनाने, वितरण लागत को कम करने, पोर्टफोलियो को जोखिम-रहित बनाने और रिटेल कारोबार के आधार को मजबूती प्रदान करने में सहायता मिलेगी. आईडीबीआई बैंक का रिटेल ऋण पोर्टफोलियो वित्तीय वर्ष 2015 के समग्र उधारों के 32% की तुलना में वित्तीय वर्ष 2018 में बढ़कर 46% हो गया है और वित्तीय वर्ष 2020 तक इसके 50% तक पहुँच जाने की आशा है.

इस साझेदारी से उल्लेखनीय राजस्व सहक्रियाएं फलीभूत होने की आशा की जाती है. आईडीबीआई बैंक और एलआईसी ने अगले 12 महीनों के दौरान अपनी सहक्रियाओं के पूर्ण कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने हेतु कार्रवाई प्रारंभ कर दी है. बेहतर वित्तीय स्थिति से बैंक के लिए समयबद्ध रीति से त्वरित सुधारात्मक कार्रवाई (पीसीए) से बाहर निकले का मार्ग प्रशस्त हो सकेगा और बैंक भावी अपेक्षाओं के अनुरूप क्षमताएं हासिल कर शीर्ष स्तर का बैंक बन सकेगा.

एलआईसी और आईडीबीआई बैंक सभी हितधारकों के हितों के अनुरूप सेवाएं देने के लिए प्रतिबद्ध हैं.

प्रिंट, वायर और इलेक्ट्रोनिक के सभी प्रतिनिधि